कल्पवृक्ष

उत्तर-पुस्तिका

3

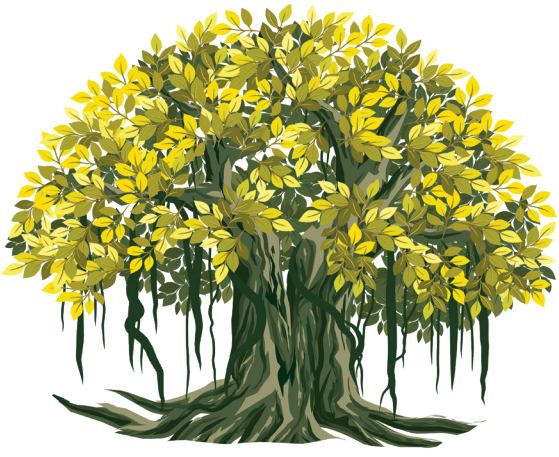

50 YEAR ANNIVERSARY
SOUVENIR
PUBLISHERS PVT. LTD.

कल्पवृक्ष - 3

पाठ - 1 कुछ काम करो

अभ्यास

बात-बात में

(क) कविता में 'नर' कहकर मनुष्य को पुकारा गया है।
(ख) मन को निराश नहीं करना चाहिए।
(ग) प्रभु ने सब वांछित वस्तु विधान किए है।
(घ) धन को अलभ्य नहीं समझना चाहिए।

लिखित

1. (क) काम (ख) कर
2. (क) इस कविता के रचियता मैथिलीशरण गुप्त हैं।
   (ख) कवि संदेश देना चाहता है कि मेहनत से सब कुछ पाया जा सकता हैं।
   (ग) ईश्वर ने हमे हाथ काम करने के लिए दिए हैं।
   (घ) हम अपने हाथों से कर्म करके अपनी वांछित वस्तु प्राप्त कर सकते है।
3. प्रस्तुत पंक्तियों में मनुष्य को संबोधित करते हुए कहा जा रहा है कि प्रभु ने तुझे हाथ दान में दिए है सभी प्रकार की मनचाही वस्तुएँ प्रदान की है, फिर भी अगर तुम इन वस्तुओं को प्राप्त न कर सको तो यह किसका दोष है अर्थात यह सब तुम्हारी ही गलती है।
4. यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो,
   समझो जिससे यह व्यर्थ न हो।
   कुछ तो उपयुक्त करो तन को,
   नर हो न निराश करो मन को।

खेल शब्दों का

1. कर - डर नर पर
   जग - मग पग खग
   करो - डरो मरो हरो
   काम - धाम आम राम
3. नकारत्मक - रेखा किताब नहीं पढ़ती हैं।
   प्रश्नवाचक - रेखा किताब क्यों पढ़ती है?
   आज्ञाथक - रेखा किताब पढ़ो।
4. नाम पहचान प्रसिद्धि
   निराश दुखी नाउम्मीद
   दोष गलती अपराध
   अर्थ धन एश्वर्य
   व्यर्थ बेकार निरर्थक

5. कर - हाथ हस्त
   प्रभु - ईश्वर भगवान
   नर - मनुष्य इंसान

पाठ - 2 पेड़-पौधों की उपयोगिता

अभ्यास

बात-बात में

(क) हल्की-हल्की हवा चलने पर पेड़-पौधें झूम रहे थे।
(ख) पेड़ ने रवि को कहानी सुनने को कहा।
(ग) पेड़ हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं।
(घ) पेड़ का परम उद्देश्य है लोगों की सेवा करना।

लिखित

1. (क) फरवरी (ख) कहानी (ग) बीज (घ) स्वास्थ्य की
2. (क) सुहावना मौसम देखकर रवि "वाह! पेड़ हैं धरती की शान, इनसे जीवन और जहान!"
   (ख) रवि की बातें सुनकर पेड़ ने उससे कहा "तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद कि तुमने हमारी उपयोगिता समझी।
   (ग) पेड़ हमारे लिए बहुत अधिक लाभदायक हैं।
   (घ) रुपयों के लालच में लोग पेड़ो को काट देते हैं।
   (ङ) पेड़ों ने रवि से प्रार्थना की कि तुम अपने आस पास रहने वाले लोगों और अपने मित्रों को समझाओ कि हमारी संख्या कभी कम न होने दें।
   (च) इस कहानी से हमें शिक्षा मिली कि हमें व्यर्थ में पेड़ो को काटना नहीं चाहिए।

खेल शब्दों का

2. (क) पेड़-पौधों की सुंदरता हमें मुग्ध कर देती है।
   (ख) बाग में अनेक पेड़ पौधे थे।
3. (क) पेड़ - पेड़ हमारे जीवन में बहुत महत्व रखते हैं।
   (ख) मौसम - आज मौसम बहुत सुहावना है।
   (ग) वातावरण - पेड़-पौधे वातावरण को स्वच्छ रखते हैं।
   (घ) सेवा - हमें बड़ों की सेवा करनी चाहिए।

पाठ - 3 शिष्टाचार

अभ्यास

बात-बात में

1. घर में आए अतिथि का स्वागत खुशी से मुस्कारते हुए करना चाहिए।
2. किसी से मिलने पर सबसे पहले "नमस्ते" करना चाहिए।

3. दूसरों के दु:ख में हमें सहानुभूति प्रकट करनी चाहिए।
4. गलती हो जाने पर हमें माफी माँगनी चाहिए।

लिखित

1. (क) शिष्टाचार (ख) नमस्ते (ग) शहर
2. (क) अतिथियों के आने पर हमें खुशी से मुस्कारते हुए उनका स्वागत करना चाहिए, उन्हें उचित स्थान पर बैठाकर उनका अच्छी तरह सेवा सत्कार करना चाहिए।
   (ख) दूसरों के घर जाने पर हमें पहले दरवाजें पर लगी घंटी बजानी चाहिए और फिर बुलाने पर ही घर में प्रवेश करना चाहिए। वहाँ का कोई सामान नहीं छेड़ना चाहिए।
   (ग) धार्मिक स्थानों पर जाना पड़े, तो वहाँ के नियमों का पालन करना चाहिए। सभी धार्मिक स्थानों के नियमों का पालन कर हमें उन धर्मो के प्रति आदर व्यक्त करना चाहिए। हमेशा ध्यान रखो कि किसी की धार्मिक भावना को ठेस न पहुँचे।
   (घ) इन पर्वों को मनाने के अपने ही नियम होते है, जिनका पालन करना अनिवार्य होता है। जब भी राष्ट्रीयगान गाया जाए, सावधान की मुद्रा में खड़ा होना चाहिए।
3. (क) परिवार (ख) शिष्टाचार (ग) धन्यवाद (घ) स्वागत
4. (क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) सही

खेल शब्दों का

1. जूता – जूते दरवाजा – दरवाजे कागज – कागजों
   भावना – भावनाएँ सोफा – सोफे बच्चा – बच्चे
   खिड़की – खिड़कियाँ छाता – छाते पुस्तक – पुस्तकें
   बात – बातें किताब – किताबें कॉपी – कॉपियां
2. और लौटना गौरव
   कागज साधारण व्यवहार
   वस्तु दुख खुशी
3. (क) चाचा जी को मोहित पर दया आ गई।
   (ख) बातचीत करते समय बहुत सी बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पाठ - 4 मधुमक्खी से सीखो

अभ्यास

बात-बात में

(क) फूलों पर मधुमक्खी मंडराती हैं।
(ख) मधुमक्खी फूलों का रस चूसती हैं।

(ग) मधुमक्खी मीठा मधु बनाती हैं।
(घ) मेहनत का फल मीठा होता हैं।

लिखित

1. (क) छोटी (ख) हिलाती हैं (ग) छत्ते में
2. (क) मधुमक्खी पंख हिलाती आती हैं।
   (ख) मधुमक्खी इधर-उधर घूमकर फूलों पर मंडरा रही हैं।
   (ग) मधुमक्खी छत्ते से फूलों का रस चूस-चूसकर ले जाती हैं।
   (घ) फूलों के रस का मधुमक्खी मीठा मधु बनाती हैं।
   (ङ) मेहनत का फल सदा ही मीठा होता है। इसलिए हमें परिश्रम का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए।
3. (क) एक मधुमक्खी छोटी सी,
   पंख हिलाती आती है।
   कभी घूमती इधर-उधर
   कभी फूलों पर मंडराती है।
   (ख) प्यारी-सी मधुमक्खी आकर,
   सबको यह बात बताओ।
   मीठा फल मेहनत से मिलता,
   हमको भी यह पाठ पढ़ाओ।
4. मछली - पानी मधुमक्खी - छत्ता चूहा - बिल
   शेर - गुफा चिड़िया - घोंसला

खेल शब्दों का

1. 1. वह 2. हमको 3. उस 4. यह
2. पंखा - पंखे कीट - कीटों छत्ता - छत्ते फूल - फूलों
   बात - बातें मधुमक्खी - मधुमक्खियाँ
3. (क) मीठा - मधुमक्खियाँ फूलों के रस से मीठा मधु बनाती हैं।
   (ख) पंख - मधुमक्खी पंख फैला कर उड़ रही हैं।
   (ग) फूल - बगीचे में सुंदर फूल खिले हैं।
   (घ) मेहनत - मधुमक्खी मेहनत से अपना मधु इकटठा करती हैं।
   (ङ) मधुमक्खी - मधुमक्खी बहुत परिश्रमी जीव हैं।
   (च) पाठ - प्रत्येक पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए।
   (छ) छत्ता - मधुमक्खी अपना छत्ता स्वयं बनाती हैं।

पाठ - 5 पंडित जी और ठग

अभ्यास

बात-बात में

(क) पंडित जी का नाम भोलानाथ था।
(ख) यजमान ने पंडित जी को बकरी दी।
(ग) वह पंडित जी के भोलेपन से परिचित थे।
(घ) ठग के अनुसार पंडित जी का शरीर अपवित्र हो गया।
(ङ) पंडित भोलानाथ ने अपना माथा पीट लिया।

लिखित

1. (क) बकरी (ख) भोले (ग) ठगों ने
2. (क) पंडित भोलेनाथ बहुत भोले-भाले थे। छल कपट की बातें वे जानते ही नहीं थे।
   (ख) यजमान ने उन्हें एक बकरी देते हुए कहा, महाराज! इसे स्वीकार कीजिए। यह आपके और आपके बच्चों के काम आएगी।
   (ग) वे पंडित जी के भोलेपन से परिचित थे। उन्होंने आपस में सलाह करके पंडित जी को ठगने का निश्चय किया।
   (घ) पहले ठग की बात सुनकर पंडित जी चौंक गए, क्योंकि ठग ने उनसे कहा कि यह कुत्ता आप कंधे पर लेकर क्यों चल रहे हैं।
   (ङ) यजमान ने पंडित जी को समझाया, "पंडित जी आपके धूर्तो ने ठग लिया वह कुत्ता नहीं, बकरी ही थी। आपको उन ठगों की बातों में नहीं आना चाहिए था।"
3. (क) छल कपट (ख) स्वीकार (ग) निश्चय (घ) स्नान (ङ) यजमान

खेल शब्दों का

1. खुशबू भोले प्यारी धूर्त
2. गाय भालू लोमड़ी बकरी शेर घोड़ा हाथी
3. (क) मैं (ख) में (ग) में, मैं (घ) में (ङ) मैं

पाठ - 6 संतुलित भोजन

अभ्यास

बात-बात में

(क) भोजन न मिलने से शरीर में अनेक प्रकार के शारीरिक रोग उत्पन्न होते हैं।
(ख) चावल में आयरन नहीं पाया जाता है।
(ग) स्टार्च और शक्कर
(घ) दुर्बल रोगियों को ताकत पहुँचाने के लिए डॉक्टर प्राय: ग्लूकोज देते हैं।
(ङ) खून का लाल रंग आयरन खनिज तत्व के कारण होता हैं।

लिखित

1. (क) भोजन (ख) दैनिक कार्यो से (ग) शक्ति
2. (क) भोजन करने के तीन उदेश्य है- पहला, अंगो और मांसपेशियों की दैनिक भोजन को पूरा करना। दूसरा, शरीर द्वारा किए जाने वाले कार्यो के लिए शक्ति प्रदान करना। तीसरा, शरीर की विभिन्न क्रियाओ को नियमित करना एंव शरीर को स्वस्थ रखना।
   (ख) संतुलित भोजन के प्रमुख तत्व है- प्रोटीन, कैल्शियम और फास्फोरस, कार्बोहाइड्रेट, लवण, विटामिन।
   (ग) कैल्शियम और फास्फोरस, हमारे दांत और हड्डियों को मजबूत बनाते हैं।
   (ङ) स्टार्च - गेहूँ, चावल, बाजरा, मक्का आदि अनाजों तथा आलू, शकरकंद आदि सब्जियों से मिलता है।
   (ङ) विटामिन कई प्रकार के होते हैं- विटामिन "ए", विटामिन "बी", विटामिन "सी", विटामिन "डी" आदि। इनके स्त्रोत हैं- दूध, मक्खन, गेंहू, जौ, संतरा, आँवला आदि।
3. (क) आवश्यकता (ख) आभास (ग) प्रोटीन
   (घ) कैल्शियम फास्फोरस
4. (क) विटामिन "डी" - धूप (ख) शक्कर - ग्लूकोज
   (ग) विटामिन "सी" - आँवला (घ) लोहा - हरी पतेदार सब्जियाँ
   (ङ) नमक - क्लोरीन

खेल शब्दों का

1. (क) एक घडी - पांच घड़ियाँ
   (ख) एक पौधा - चार पौधे
   (ग) एक झूला - सात झूले
   (घ) एक शाखा - दस शाखाएँ
   (ङ) एक चिड़िया - दो चिड़ियाँ
2. चॉकलेट बर्गर चाउमीन समोसा इडली लड्डू
3. संतुलित - असंतुलित परिश्रम - आलस सही - गलत
   दुर्बल - सबल दिन - रात निरोग - रोग
4. (क) पगड़ी (ख) पढ़ी (ग) उखाड़ (घ) चढ़

पाठ - 7 रेलगाड़ी का निर्माण

अभ्यास

बात-बात में

(क) बहुत समय पहले मीलों लोग पैदल लंबी यात्रा करते थे।
(ख) छोटे मोटे व्यापारी गधे पर अपना सामान लादते थे।

(ग) पहिए के आविष्कार से यात्रा सुगम व सस्ती लगने लगी।
(घ) सरपट भागते घोड़े के पीछे लंबी रेलगाड़ी जुड़ी थी।
(ङ) लोहे की पटरियों को "रैक रेलगाड़ी" का नाम दिया गया।

लिखित

1. (क) घूमना (ख) बीमार होकर (ग) स्त्रियाँ हों
2. (क) पाठ के अनुसार हवा, पानी और मनुष्य चलते हैं।
   (ख) पैदल यात्रा करने से मनुष्य को बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। यात्राएँ लंबी होती थीं, जिनमें बहुत वक्त लगता था, कई बार तो यात्री बीमार होकर मर भी जाते थे।
   (ग) पालकी का प्रयोग लंबी यात्राओं में किया जाता था, जिसे चार लोग उठाते थे।
   (घ) शुरुआत में लकड़ी के गट्ठरों को नदी में बहाकर नदी को पार किया जाता था। बाद में नाव द्वारा यात्रा करने का चलन प्रारंभ हुआ।
   (ङ) पहली रेलगाड़ी घोड़े द्वारा खींची जाती थी, जिसे "वैगन" कहा जाता था।
3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)
4. (क) मनुष्य (ख) पालकियों (ग) थकावट (घ) नदी

खेल शब्दों का

1. बिल्ली त्यौहार चंद्रमा विनम्रता
2. कार बस साइकिल स्कूटर ट्रक रेलगाड़ी
3. सूरज सूर्य दिवाकर
   चंद्रमा चाँद शशि

अभ्यास प्रश्न पत्र - 1

1. (क) रवि की बातें सुनकर पेड़ ने उससे कहा "तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद कि तुमने हमारी उपयोगिता समझी।
   (ख) अतिथियों के आने पर हमें खुशी से मुस्कारते हुए उनका स्वागत करना चाहिए, उन्हें उचित स्थान पर बैठाकर उनका अच्छी तरह सेवा सत्कार करना चाहिए।
   (ग) मेहनत का फल सदा ही मीठा होता है। इसलिए हमें परिश्रम का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए।
   (घ) पंडित भोलेनाथ बहुत भोले-भाले थे। छल कपट की बातें वे जानते ही नहीं थे।
   (ङ) संतुलित भोजन के प्रमुख तत्व है- प्रोटीन, कैल्शियम और फास्फोरस, कार्बोहाइड्रेट, लवण, विटामिन।
2. प्रस्तुत पंक्तियों में मनुष्य को संबोधित किया जा रहा है कि यह जन्म किस मतलब के लिए है। संसार में आए हो तो प्रसिद्धी उपयुक्त कार्य अपने शरीर से करो। तुम मनुष्य हो, कभी निराश मत हो।

3. प्यारी-सी मधुमक्खी आकर,
सबको भी यह बात बताओ।
मीठा फल मेहनत से मिलता,
हमको भी यह पाठ पढ़ाओ।

4. (क) विटामिन "डी" - धूप
(ख) शक्कर - ग्लूकोज
(ग) विटामिन "सी" - आँवला
(घ) लोहा - हरी पतेदार सब्जियाँ
(ङ) नमक - क्लोरीन

5. (क) मीठा - मधुमक्खियाँ फूलों के रस से मीठा मधु बनाती हैं।
(ख) पंख - मधुमक्खी पंख फैला कर उड़ रही हैं।
(ग) फूल - बगीचे में सुंदर फूल खिले हैं।
(घ) मेहनत - मधुमक्खी मेहनत से अपना मधु इकटठा करती हैं।
(ङ) मधुमक्खी - मधुमक्खी बहुत परिश्रमी जीव हैं।

6. पंखा - पंखे कीट - कीड़े छत्ता - छत्ते फूल - फूलों
बात - बातें मधुमक्खी - मधुमक्खियाँ

पाठ - 8 रबड़ की आत्मकथा

अभ्यास

बात-बात में

(क) पेड़ के तने में छेद करके दूध निकाला जाता है।
(ख) पेंसिल का लिखा मिटाने के लिए रबड़ का उपयोग होता हैं।
(ग) रबड़ पर पानी का प्रभाव नहीं होता।
(घ) बरसात के दिनों में रबड़ से बने जूते पहने जाते हैं।

लिखित

1. (क) चित्र (ख) रबड़ (ग) कारखानों में

2. (क) रबड़ के पेड़ से दूध जैसा पदार्थ निकलता हैं।
(ख) रबड़ से पेड़ से लगभग दो-तीन किलो दूध निकाला जा सकता है।
(ग) रबड़ से टायर, खिलौने, जूते, गुब्बारे आदि बनाए जाते है। पेंसिल से लिखा मिटाने के लिए भी रबड़ का उपयोग होता हैं।
(घ) रबड़ से बनी वस्तुएँ टिकाऊ इसलिए होती हैं, क्योंकि यह हल्की और लचीली होती हैं।
(ङ) रबड़ बहुत गुणों से भरपूर होती है। इससे बनी चीजें टिकाऊ होती हैं और अधिक दिनों तक उपयोग में लायी जाती हैं। रबड़ लचीली और हल्की होती हैं।

3. (क) जूते (ख) गेंद (ग) गुब्बारे (घ) खिलौने
(ङ) मिटाने वाली रबड़ (च) टायर

4. (क) नहीं (ख) नहीं (ग) नहीं (घ) हाँ (ङ) हाँ
5. स्वयं करें।
6. रबड़ हमारे जीवन में बहुत ही महत्व रखती है। हमारे जीवन में उपयोग में लाई जाने वाली अनेक वस्तुएँ रबड़ से ही बनाई जाती हैं। अगर रबड़ हमारे जीवन में न होती तो हमें बहुत सी कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता था।

खेल शब्दों का

1. शेर - शेरनी मामा - मामी हिरन - हिरनी चाचा - चाची मोर - मोरनी
2. चित्र - मोहित ने एक सुंदर चित्र बनाया।
   पेंसिल - मोहन की पेंसिल कहीं खो गई है।
   रबड़ - रबड़ हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं।
   दूध - बच्चों के लिए दूध बहुत उपयोगी हैं।

पाठ - 9 चूहा चला दिल्ली

अभ्यास

बात-बात में

(क) चूहा दिल्ली जा रहा था।
(ख) बिल्ली घात लगाए रहती थी।
(ग) चूहे ने दरवाजें पर किल्ली लगाने के लिए कहा।
(घ) पहले जहाँ लाट साहब रहते थे, वहाँ अब राष्ट्रपति हैं।

लिखित

1. (क) पगड़ी (ख) दिल्ली (ग) किल्ली
2. (क) चूहे ने चुहिया से छाता, घडी, और पगड़ी माँगी।
   (ख) चूहे ने चुहिया को हिदायते दी कि घर में रखी मटर-मूंग सब मिलाकर खाना, बिल से बाहर मत आना और दरवाजें की किल्ली लगाकर सोना।
   (ग) आजादी का जश्न 15 अगस्त को मनाया जाता है। इसका बहुत ही महत्व है। इसी दिन हमारा देश अंग्रेजो की गुलामी से आजाद हुआ था और हम सब को स्वतंत्रता का तोहफा मिला था।
   (घ) चूहा दिल्ली जाकर लाल किले पर लहराते हुए तिरंगे को देखना चाहता है और प्रधानमंत्री से मिलना चाहता है।
   (ङ) आजादी के दिन लालकिले पर तिरंगा फहराया जाता है, और प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों को संबोधित करते हुए भाषण दिया जाता हैं।
3. (क) बिल्ली एक बड़ी पाजी है, रहती घात लगाए,
   न जाने कब किसे दबोचे, किसको चट कर जाए।
   (ख) दिल्ली में देखूंगा, आजादी का नया जमाना,
   लालकिले पर खूब, तिरंगे झंडे का लहराना।

4. प्रस्तुत पंक्तियों में चूहा कह रहा है कि मैं दिल्ली में दिन-रात घूमूँगा पर किसी से बात नहीं करूँगा। लेकिन अगर मुझे थोड़ी सी भी फुरसत मिली तो प्रधानमंत्री से जरुर मिलूँगा। चूहा आगे कहता है कि अब इस गाँधी-युग में चूहों की खिल्ली कौन उड़ा पाएगा। मैं आजादी का जश्न देखने दिल्ली जा रहा हूँ।

खेल शब्दों का

1. चुहिया घोड़ी बिल्ली शेर
2. एकवचन एकवचन एकवचन एकवचन

पाठ - 10 कश्मीर की सैर

अभ्यास

बात-बात में

(क) युस्मार्ग और सोनमर्ग
(ख) चंदनवाड़ी में बर्फ का पुल बनता हैं जिसके नीचे से पानी बहता रहता हैं।
(ग) पामपुर का पठार केसर की खेती के लिए प्रसिद्ध है।
(घ) कश्मीर के बच्चें फूलों समान मोहक लगते हैं।

लिखित

1. (क) कश्मीर को (ख) पहलगाँव (ग) डल
2. (क) पर्यटक कश्मीर तक रेलों और बसों के द्वारा पहुँच सकते हैं।
   (ख) कश्मीर जाते हुए मार्ग में पहलगाँव, अनंतनाग आदि पहाड़ी गाँव पड़ते है।
   (ग) कश्मीर के लोग बहुत ही खूबसूरत और अच्छे हैं। यहाँ के बच्चे फूलों जैसे मोहक हैं।
   (घ) यहाँ के शाल-दुशाले तथा कालीन विश्व प्रसिद्ध हैं।
   (ङ) यहाँ सीढ़ीनुमा खेत बनाए जाते हैं। पानी में तैरने खेतों में तरबूज, टमाटर, खीरे, बैगन और तम्बाकू आदि उगाए जाते है। यहाँ गेहूँ, मक्का, धान, कपास, जई, तिलहन, अलसी, कोदो, जौ, राजमा और पोस्त की फसलो की खेती होती हैं।
3. (क) सही (ख) सही (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत
4. (क) फल - सेब
   (ख) खूबसूरत स्थान - गुलमर्ग
   (ग) पहाड़ी गाँव - पहलगाँव
   (घ) सीढ़ीदार खेत की फसल - तरबूज
   (ङ) कश्मीर की फसल - तिलहन

खेल शब्दों का

1. तालाब जड़ भूमि कनक

2. (क) दिन (ख) बाएँ (ग) दु:ख
3. (क) हरियाली (ख) परिश्रमी
4. 1. दिल्ली 2. आगरा 3. कोलकाता 4. मुंबई 5. वाराणसी 6. जयपुर

पाठ - 11 दोहे

अभ्यास

बात-बात में

(क) जिसके हृदय में सच्चाई है, उसी के हृदय में भगवान निवास करते हैं।
(ख) जो व्यक्ति बुरे कर्म करके सुख पाना चाहता है, उसे सुख नहीं मिल सकता।
(ग) प्रेम का धागा दोबारा जोड़ने पर उसमें गाँठ पड़ जाती है।
(घ) खजूर के पेड़ की तरह ऊँचा होना व्यर्थ कहा गया है।

लिखित

1. (क) साँच से (ख) सुख (ग) गुरु ने
2. (क) सच का हमारे जीवन में बहुत महत्व हैं। सच के बराबर कोई तप नहीं हैं। सच बोलने वाले के हृदय में प्रभु भी निवास करते हैं।
   (ख) गुरु को भगवान से भी ऊँचा माना गया है क्योंकि गुरु ही हमे सत्य तथा अच्छे बुरे के का ज्ञान कराता हैं।
   (ग) कवि सांई से केवल इतना माँग रहे हैं, जिसमें वह और उसका परिवार भूखा न रहे और उनके द्वार पर आने वाला कोई साधु भी भूखा न जाए।
   (घ) कवि प्रेम के धागे को तोड़ने के लिए इसलिए मना कर रहे हैं क्योंकि अगर यह एक बार टूट जाता है यदि जोड़ा भी जाता हैं तो इसमें गाँठ पड़ जाती हैं।
   (ङ) कवि हमे आज का काम कल पर टालने के लिए मना कर रहे हैं। कवि का कहना है कि हमे अपना काम आज ही निपटा लेने चाहिए। क्योंकि कल का कोई भरोसा नहीं।
3. (क) रोपै बिरवा नीम को, आम कहाँ ते होय।।
   (ख) रुखा सूखा खाइके, ठंडा पानी पीउ।
   देखि पराई चूपड़ी, मत ललचावै जीउ।।
   (ग) बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोये।।
   जो दिल खोजा आपना, मुझसा बुरा न कोय।।
   (घ) रहिमन धागा प्रेम का, मत तोरो चटकाय।
   टूटे ते फिर न जुरै, जुरै गांठी पर जाय।।
4. (क) प्रस्तुत दोहे में कवि कह रहे है कि कोई अगर किसी के साथ बुराई करके भी सुख चाह रहा है तो यह कैसे हो सकता है। क्योंकि नीम का पेड़ लगाने पर आम कहाँ से मिल सकता हैं।

(ख) प्रस्तुत दोहे में कवि समझाना चाह रहे है कि हमारे पास जो भी रुखा-सूखा है, हमे उसे खाकर ही संतुष्ट रहना चाहिए। दूसरों की चुपड़ी रोटी देख मन नहीं ललचाना चाहिए।

खेल शब्दों का

1. स्त खस्ता बस्ता सस्ता
   स्थ आस्था स्वास्थ अवस्था
   स्त मस्त अस्त व्यस्त
2. बाराबर - बराबर साधू - साधु बलीहारी - बलिहारी
   छ्या - छाया कूटम - कुटम भुखा - भूखा
3. मीठा आम कडवा नीम पतला धागा पौष्टिक खजूर शुद्ध जल

पाठ - 12 तेनालीराम की हाजिर जवाबी

अभ्यास

बात-बात में

(क) राजा का बगीचा फूलों से भर गया।

(ख) राजा बगीचे को देखकर खुश हुए।

(ग) सेना को देखकर परियाँ डरकर भाग जाएँगी।

(घ) तेनालीराम मुरझाए फूल तोड़ने लग गया।

लिखित

1. (क) फूलों से (ख) सेना (ग) तेनालीराम का
2. (क) बगीचे को फूलों से भरा देख कर राजा ने मंत्री से कहा - कुछ इस तरह काम कीजिए कि यह बगीचा सदा ऐसा ही रहे।

   (ख) राजा की आज्ञा का मंत्री ने इस तरह जवाब दिया - महाराज, भला फूल सदा किस तरह खिले हुए रह सकते हैं।

   (ग) "महाराज! मेरे दादा जी कहा करते थे कि फूलों का रंग-रूप तभी सदा खिला रह सकता है, जब तक उन पर परियाँ मंडराती हैं।

   (घ) राजा ने तेनाली को आज्ञा दी, "मैं चाहता हूँ कि मेरा बाग सदा इसी तरह फूलों से भरा रहे। तुम इस बात का ध्यान रखना। खबरदार! एक भी फूल मुरझाने न पाए।"

   (ङ) राजा की आज्ञा का पालन के लिए तेनालीराम ने उनसे मुरझाए, फूलों को तोड़ने की आज्ञा ली और मुरझाए फूलों को तोड़ने में ही लगे रहे।
3. (क) कृष्णदेव (ख) हालत (ग) मन (घ) मुरझाने

खेल शब्दों का

1.

संज्ञा	विशेषण	क्रिया
सूरज	सुंदर	खेलेंगे
चाँद	प्यारी	दौड़ो
आसमान	नन्हें	रुको
खेल	नीला	पकड़ा

2. (क) मिठास (ख) बुढ़ापा (ग) स्वतंत्रता (घ) बचपन
3. अँधेरा – उजाला प्रथम – अंतिम होशियार – मूर्ख
   आगे – पीछे परिश्रमी – आलसी ऊपर – नीचे राजा – रानी अच्छा – बुरा
4. (क) हालत पतली होना – (अवस्था ठीक न होना) क्रिकेट मैच में भारत के सामने बांग्लादेश की हालत पतली हो गयी।
   (ख) जी-जान से जुटना – (बहुत परिश्रम करना)- परीक्षा नजदीक आते ही सोहन जी-जान से पढाई में जुट गया।
   (ग) चैन की साँस लेना – (राहत मिलना)- परीक्षा खत्म होने के बाद ही राजू ने चैन की साँस ली।
   (घ) लाल-पीला होना – (क्रोधित होना)- रमन की हरकते देख उसके पिताजी लाल-पीले हो गए।
   (ङ) दिन में तारे दिखना – (अक्ल ठिकाने आना)- परीक्षा में नकल करते अध्यापक ने मोहन को इतना पीटा कि उसे दिन में तारे दिख गए।

अभ्यास प्रश्न पत्र – 2

(क) रबड़ से बनी वस्तुएँ टिकाऊ इसलिए होती है, क्योंकि यह हल्की और लचीली होती हैं।

(ख) कश्मीर के लोग बहुत ही खूबसूरत और अच्छे हैं। यहाँ के बच्चे फूलों जैसे मोहक हैं।

(ग) गुरु को भगवान से भी ऊँचा माना गया है क्योंकि गुरु ही हमे सत्य तथा अच्छे बुरे का ज्ञान कराता हैं।

(घ) राजा ने तेनाली को आज्ञा दी, "मैं चाहता हूँ कि मेरा बाग सदा इसी तरह फूलों से भरा रहे। तुम इस बात का ध्यान रखना। खबरदार! एक भी फूल मुरझाने न पाए।"

(ङ) राजा की आज्ञा का पालन के लिए तेनालीराम ने उनसे मुरझाए, फूलों को तोड़ने की आज्ञा ली और मुरझाए फूलों को तोड़ने में ही लगे रहे।

2. प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कह रहे हैं कि मैं जब कोई बुरा व्यक्ति ढूढ़ने चला तो मुझे कोई बुरा नहीं दिखा। बल्कि जब मैं अपने ह्रदय में झांका तो मुझसे बुरा कोई नहीं दिखा।

   प्रस्तुत पंक्तियों में कवि प्रभु से विनती कर रहे है कि प्रभु, मुझे केवल इतना दीजिये, जो मेरे और मेरे परिवार के लिए पर्याप्त हो। जिससे में भी भूखा न रहूँ और मेरे द्वार से कोई साधु भी भूखा न जाए।

3. मटर-मूंग जो कुछ घर में है, वही सभी मिल खाना,
   खबरदार तुम लोग कभी, बिल से बाहर मत जाना।
   बिल्ली एक बड़ी पाजी है, रहती घात लगाए,
   न जाने कब किसे दबोचे, किसको चट कर जाए।
4. (क) नहीं (ख) नहीं (ग) नहीं (घ) हाँ (ङ) हाँ
5. तालाब जड़ भूमि कनक
6. (क) फूलों से (ख) बगीचे से (ग) परियाँ (घ) मुरझाए
7. स्वयं करें।